प्रश्न–पत्र पुस्तिका
QUESTION PAPER BOOKLET

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 32
Number of Pages in Booklet : 32

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 100
Number of Questions in Booklet : 100

समय / Time : 2.00 घंटे / Hours

A बुकलेट सीरीज

पूर्णांक / Maximum Marks : 100

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer.
5. Answers are to be marked on the OMR Answer Sheet, provided separately.
6. Each question has four options marked serially as 1,2,3,4 out of which only one is correct. Candidate has to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLACK/ BLUE BALL POINT PEN.
7. There is no Negative Marking.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please fill your Roll Number and Series printed on Question Paper Booklet on O.M.R. Answer Sheet, carefully and correctly.
10. If there is any sort of ambiguity / mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
11. Answer to the question by darkening multiple circles or by wrong method shall not be evaluated.
12. Answer to the question by using whitener or eraser or using any other method to erase the darkened circle, shall not be evaluated.

Warning : Candidate using unfair means in the exam will be disqualified & action as per law shall be taken.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जायेगा।
5. प्रश्नों के उत्तर पृथक से दिये गये ओ.एम.आर उत्तर–पत्रक पर अंकित करें।
6. प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1,2,3,4 अंकित किया गया है, जिनमें से एक सही है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर–पत्रक पर नीले/काले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।
7. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।
8. परीक्षा हॉल में मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र पूर्णतः वर्जित है। किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी वर्जित सामग्री पाये जाने पर उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर एवं प्रश्न–पत्र पुस्तिका पर अंकित सीरीज ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानी पूर्वक एवं सही भरें।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की अस्पष्टता/त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
11. एक से अधिक गोले भरने या गलत तरीके से गोला भरने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
12. भरे गये गोले को व्हाइटनर या रबड़ या किसी अन्य तरीके से मिटाने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

चेतावनी : परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा एवं विधिनुसार कार्यवाही की जायेगी।

CONFIDENTIAL SEAL

1. Under the provisions of Rajasthan Rent Control Act, 2001, a landlord has a right to inspect the premises let out by him. Which of the following statement with reference to the inspection is incorrect?

   (1) The inspection can be done during day time only.

   (2) A prior intimation of at least three days to the tenant is necessary.

   (3) Such inspection can be carried out not more than once in three months.

   (4) None of the above.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अन्तर्गत एक भूस्वामी उसके द्वारा किराये पर दिये गये परिसर को निरीक्षण करने का अधिकार रखता है।
निरीक्षण के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन गलत है?

   (1) निरीक्षण केवल दिन के समय में ही किया जा सकता है।

   (2) किरायेदार को कम से कम तीन दिवस की पूर्व सूचना देना आवश्यक है।

   (3) ऐसा निरीक्षण तीन माह में एक बार से अधिक नहीं किया जा सकता है।

   (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

2. A suit alleging 'public nuisance' can be instituted by;

   (A) Advocate General of the State.

   (B) By two or more persons, who have suffered the damage.

   (C) By two or more persons, with the leave of the Court, even though no special damage has been caused to them.

   (D) A member of the local body.

   Which of the following combination is correct?

   (1) (A) & (B).

   (2) (A) & (C).

   (3) (B) & (D).

   (4) (C) & (D).

"लोक उत्पात" का वाद संस्थित किया जा सकता है;

(अ) राज्य के महाधिवक्ता द्वारा।

(ब) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, जिन्हें नुकसान कारित हुआ है।

(स) दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा, यद्यपि उन्हें कोई विशेष नुकसान कारित ना हुआ हो, न्यायालय की अनुमति से।

(द) स्थानीय निकाय के सदस्य द्वारा।

निम्न में से कौनसा संयोजन सही है?

   (1) (अ) तथा (ब)।

   (2) (अ) तथा (स)।

   (3) (ब) तथा (द)।

   (4) (स) तथा (द)।

3. Ashok lets a house to Bharat for five years. Bharat underlets the house to Kishore at a monthly rent of Rs. 2,000/-. The five years expire, but Kishore continues in possession of the house and pays the rent to Ashok. What is the status of Kishore?

(1) Tenant holding over.

(2) Trespasser.

(3) Possession is unauthorised.

(4) None of the above.

अशोक एक मकान पांच वर्षों के लिये भरत को किराये पर देता है। भरत उक्त मकान को 2000/– रुपये प्रतिमाह पर उप–किराये पर किशोर को दे देता है। पांच वर्ष व्यतीत हो जाते हैं परन्तु किशोर निरन्तर उक्त मकान पर काबिज है तथा अशोक को किराया अदा करता रहता है। किशोर की स्थिति क्या है?

(1) आस्थगित किरायेदार।

(2) अतिक्रमी।

(3) अप्राधिकृत कब्जाधारक।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

4. The executive power of the State is vested in:

(1) Chief Secretary of the State.

(2) Chief Minister of the State.

(3) Chief Executive Officer.

(4) The Governor.

राज्य की कार्यकारी शक्ति निहित हैं;

(1) राज्य के मुख्य सचिव में।

(2) राज्य के मुख्यमंत्री में।

(3) मुख्य कार्यकारी अधिकारी में।

(4) राज्यपाल में।

5. Decree for payment of money passed against a woman cannot be executed;

(1) by proceeding against her legal representatives, if she dies.

(2) by attachment and sale of her property.

(3) by appointing a receiver.

(4) by her arrest and detention in prison.

महिला के विरुद्ध पारित धन के संदाय की डिक्री निष्पादित नहीं की जा सकती है;

(1) यदि महिला की मृत्यु हो जाती है तो उसके विधिक प्रतिनिधियों के विरुद्ध कार्यवाही द्वारा।

(2) उसकी सम्पत्ति की कुर्की तथा विक्रय द्वारा।

(3) एक प्रापक की नियुक्ति द्वारा।

(4) उसकी गिरफ्तारी और कारागार में निरोध द्वारा।

6. "Where a plaintiff omits to sue in respect of, or intentionally relinquishes any portion of his claim, he shall not afterwards sue in respect of the portion so omitted or relinquished". The genesis of this principle lies in;

(1) Section 115 of the Indian Evidence Act, 1872

(2) Section 11 of the Code of Civil Procedure, 1908

(3) Order II Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908

(4) Order I Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908

''जहां वादी अपने दावे के किसी भाग के बारे में वाद लाने का लोप करता है या उसे साशय त्याग देता है, वहां उसके पश्चात वह इस प्रकार लोप किये गये या त्यक्त भाग के बारे में वाद नहीं लायेगा''।

इस सिद्धान्त की उत्पत्ति निहित है;

(1) भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 115 में।

(2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 11 में।

(3) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश II नियम 2 में।

(4) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश I नियम 2 में।

7. On rejection of plaint under provisions of Order VII Rule 11 Code of Civil Procedure, 1908, presenting of a fresh plaint in respect of the same cause of action, is;

(1) Barred by principles of Res judicata.

(2) On its own force, does not preclude the plaintiff from presenting a fresh plaint.

(3) Barred under Order XXIII.

(4) None of the above.

आदेश VII नियम 11 व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत वादपत्र के नामंजूर किए जाने पर, उसी वाद हेतुक के बारे में नया वादपत्र प्रस्तुत करना;

(1) प्राङ्न्याय के सिद्धान्तों द्वारा वर्जित है।

(2) केवल नामंजूरी के कारण ही, वादी नया वादपत्र प्रस्तुत करने से प्रवारित नहीं हो जाएगा।

(3) आदेश XXIII के अन्तर्गत वर्जित है।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

8. 'Rule in *Heydon's* case' is also known as;

(1) Purposive construction.

(2) *Casus omissus*.

(3) Literal construction.

(4) Harmonious construction.

'Rule in *Heydon's* case', के रूप में भी जाना जाता है;

(1) सप्रयोजन अर्थान्वयन।

(2) संविधि से अनुपबंधित विषय

(3) शाब्दिक अर्थान्वयन।

(4) समरसतापूर्ण अर्थायन्वन।

9. The Indian Evidence Act, 1872 applies to;
   (1) Proceedings before an arbitrator.
   (2) Departmental proceedings.
   (3) Judicial proceedings before courts.
   (4) None of the above.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 लागू होता है;
   (1) मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाहियों पर।
   (2) विभागीय कार्यवाहियों पर।
   (3) न्यायालयों के समक्ष न्यायिक कार्यवाहियों पर।
   (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

10. Who amongst the following cannot be appointed as Advocate General;
   (1) An advocate of 66 years of age.
   (2) An advocate who has not practiced in such State.
   (3) An advocate having 07 years of practice at Bar.
   (4) All of the above.

निम्न में से कौन, महाधिवक्ता नियुक्त नहीं किया जा सकता है;
   (1) 66 वर्ष की आयु का एक अधिवक्ता।
   (2) एक अधिवक्ता, जिसने उस राज्य में वकालत नहीं की हो।
   (3) एक अधिवक्ता, जिसकी 07 वर्ष की वकालत हो।
   (4) उपरोक्त सभी।

11. Which of the following statement is incorrect?
   (1) An agreement made without consideration is void irrespective of the circumstances.
   (2) Every agreement in restraint of marriage of any person, other than minor, is void.
   (3) Every agreement by which anyone is restrained from exercising a lawful profession, trade or business of any kind, is to that extent void.
   (4) Agreements, the meaning of which is not certain or capable of being made certain, are void.

निम्न में से कौनसा कथन गलत है?
   (1) बिना प्रतिफल के किया गया करार हर परिस्थिति में शून्य होता है।
   (2) ऐसा प्रत्येक करार शून्य है जो अप्राप्तवय से भिन्न किसी व्यक्ति के विवाह के अवरोधार्थ है।
   (3) ऐसा प्रत्येक करार, जिससे कोई व्यक्ति किसी प्रकार की विधिपूर्ण वृत्ति, व्यापार या कारोबार करने से अवरुद्ध किया जाता है, उस विस्तार तक शून्य है।
   (4) वे करार, जिनका अर्थ निश्चित नहीं है अथवा निश्चित किया जाना शक्य नहीं है, शून्य हैं।

12. For the purpose of Limitation Act, 1963, a suit in the case of a pauper, is instituted;
   (1) When the plaint is presented to the proper office.
   (2) When application for leave to sue as a pauper is made.
   (3) When the application seeking leave to sue as a pauper is granted.
   (4) None of the above.

परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रयोजनार्थ अकिंचन की दशा में वाद संस्थित होता है;

(1) जब समुचित कार्यालय में वादपत्र प्रस्तुत किया जाता है।

(2) जब अकिंचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन किया जाता है।

(3) जब अकिंचन के रूप में वाद लाने की अनुमति का आवेदन पत्र स्वीकार किया जाता है।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

13. Which of the following contracts can be enforced?

(1) A contract for the non-performance of which compensation is an adequate relief.

(2) A contract which is in its nature determinable.

(3) A contract the performance whereof involves the performance of a continuous duty.

(4) Purchase of a share of a partner in a firm.

निम्न में से कौनसी संविदा का प्रवर्तन कराया जा सकता है?

(1) वह संविदा जिसके अपालन के लिये प्रतिकर एक यथायोग्य अनुतोष हो।

(2) वह संविदा जो अपनी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो।

(3) वह संविदा जिसके पालन में सतत् कर्त्तव्य का पालन अन्तर्विलित हो।

(4) फर्म के एक भागीदार के हिस्से का क्रय।

14. Section 43 of the Transfer of Property Act, 1882, which deals with transfer by unauthorised person who subsequently acquires interest in immovable property transferred, underlines doctrine of;

(1) Actionable claims.

(2) Estoppel by deed.

(3) Estoppel by election.

(4) Right of pre-emption.

सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा 43 जो कि अप्राधिकृत व्यक्ति, जो अन्तरित अचल सम्पत्ति में बाद में हित अर्जित कर लेता है, के द्वारा किये गये अन्तरण से सम्बन्धित है, सिद्धान्त को रेखांकित करता है;

(1) अनुयोज्य दावे।

(2) विलेख द्वारा विबन्धन।

(3) चुनाव द्वारा विबन्धन।

(4) अग्रक्रयाधिकार का अधिकार।

15. Which provision in Code of Civil Procedure, 1908 bars entertainment of application to review an order made on an application for a review or a decree or order passed or made on a review;

(1) Section 11

(2) Section 10

(3) Order XLVII Rule 9

(4) Order IX Rule 9

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 में कौनसा प्रावधान पुनर्विलोकन के आवेदन पर किये गये आदेश के या पुनर्विलोकन में पारित डिक्री या किये गये आदेश के पुनर्विलोकन के लिये आवेदन ग्रहण करने को वर्जित करता है;

(1) धारा 11

(2) धारा 10

(3) आदेश XLVII नियम 9

(4) आदेश IX नियम 9

16. Which provision of Rajasthan Rent Control Act, 2001 deals with permission to enter into the limited period tenancy and for grant of certificate for recovery of possession?

(1) Section 6

(2) Section 7

(3) Section 8

(4) Section 9

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 का कौनसा प्रावधान सीमित कालावधि की किरायेदारी करने की अनुज्ञा देने और कब्जे की पुनः प्राप्ति का प्रमाण–पत्र देने को संव्यवहारित करता है?

(1) धारा 6

(2) धारा 7

(3) धारा 8

(4) धारा 9

17. What is the remedy available to an aggrieved party against a final order passed by the Rent Tribunal constituted under the Rajasthan Rent Control Act, 2001?

(1) Writ petition under Article 226/227 of the Constitution of India.

(2) Appeal to High Court under Section 96 of the Code of Civil Procedure.

(3) Appeal under Section 19(6) of the Rajasthan Rent Control Act, 2001.

(4) No remedy, order is final.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत गठित किराया अधिकरण द्वारा पारित अंतिम आदेश के विरुद्ध एक व्यथित पक्षकार को क्या उपचार उपलब्ध है?

(1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 / 227 के अन्तर्गत रिट याचिका।

(2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता की धारा 96 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय में अपील।

(3) राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 19(6) के अन्तर्गत अपील।

(4) आदेश अन्तिम है, कोई उपचार उपलब्ध नहीं।

18. 'A' and 'B' contract that 'A' shall build a house for 'B' at a fixed price. The order in which reciprocal promises are to be performed was not fixed. What shall be the order of performance?

(1) A's promise to build the house must be performed before B's promise to pay for the house.

(2) B's promise to pay for the house must be performed before A's promise to build the house.

(3) A & B should perform their promise simultaneously.

(4) None of the above.

'क' और 'ख' संविदा करते हैं कि 'क' नियत कीमत पर 'ख' के लिये एक मकान बनायेगा। वह क्रम, जिससे व्यतिकारी वचनों का पालन किया जाना है, नियत नहीं किये गये। पालना का क्रम क्या होगा?

(1) 'क' को मकान बनाने के वचन का पालन, 'ख' के मकान के लिये भुगतान करने के वचन से पहले करना होगा।
(2) 'ख' को मकान के लिये भुगतान करने के वचन का पालन, 'क' के मकान बनाने के वचन से पहले करना होगा।
(3) 'क' तथा 'ख' को अपने वचन का पालन एक साथ करना होगा।
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

19. The rule of construction '*Nocsitur a sociis*' means;

(1) The meaning of a word is to be judged by the company it keeps.
(2) To reconcile incompatibility between the specific and general words.
(3) No word in a statute is superfluous.
(4) None of the above.

अर्थान्वयन का नियम '*Nocsitur a sociis*' से अभिप्राय है;

(1) शब्द का अर्थ आसपास के शब्दसमूह से निकाला जाता है।
(2) विशिष्ट एवं सामान्य शब्दों के मध्य की असंगति में सामंजस्य करना।
(3) विधि में कोई शब्द अनावश्यक नहीं है।
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

20. Which of the Acts & Regulations cannot be declared unconstitutional by High Courts and Supreme Court?

(1) Acts & Regulations concerning persons from Scheduled Castes & Scheduled Tribes.
(2) Acts & Regulations concerning Parliament & its members.
(3) Acts & Regulations enlisted in Schedule VII of the Constitution.
(4) Acts & Regulations enlisted in Schedule IX of the Constitution.

उच्च न्यायालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा कौन से अधिनियमों एवं विनियमों को असंवैधानिक घोषित नहीं किया जा सकता है?

(1) अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जन जातियों के व्यक्तियों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।
(2) संसद एवं इसके सदस्यों से संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों को।
(3) संविधान की अनुसूची VII में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।
(4) संविधान की अनुसूची IX में सूचीबद्ध अधिनियमों एवं विनियमों को।

21. Special provisions as to evidence relating to electronic record were inserted in the Indian Evidence Act, 1872;

(1) In the form of Section 65-B w.e.f. 17.10.2000.
(2) In the form of Section 68-B w.e.f. 17.10.2000.
(3) In the form of Section 65-B w.e.f. 12.08.2002.
(4) In the form of Section 68-B w.e.f. 12.08.2002.

इलैक्ट्रोनिक अभिलेख से सम्बन्धित साक्ष्य के विशेष प्रावधानों को भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 में जोड़ा गया था;

(1) धारा 65–ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।

(2) धारा 68–ख के रूप में, दिनांक 17.10.2000 से प्रभावी।

(3) धारा 65–ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।

(4) धारा 68–ख के रूप में, दिनांक 12.08.2002 से प्रभावी।

22. A mutual mistake of the parties in an instrument, which does not express their real intention, can be got rectified by either party to the instrument;

(1) By instituting a suit under Registration Act, 1908.

(2) By filing an application under Section 152 of the Code of Civil Procedure, 1908.

(3) By instituting a suit under Section 26 of the Specific Relief Act, 1963.

(4) Cannot be rectified.

एक लिखत में, पक्षकारों की पारस्परिक भूल जो कि उनके वास्तविक आशय को अभिव्यक्त नहीं करती है, लिखत के किसी भी पक्षकार द्वारा परिशोधित करवाई जा सकती है;

(1) पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।

(2) व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 152 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत करके।

(3) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 26 के अन्तर्गत वाद संस्थित करके।

(4) परिशोधित नहीं करवाई जा सकती है।

23. Power to amend the issue or frame additional issues prior to passing of a decree vests in a Court by virtue of which provision of the Code of Civil Procedure, 1908?

(1) Order XIV Rule 1

(2) Order XIV Rule 5

(3) Order XIV Rule 6

(4) Section 151

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 के किस प्रावधान के आधार पर डिक्री पारित करने से पूर्व विवाद्यक को संशोधित करने अथवा अतिरिक्त विवाद्यकों को विरचित करने की शक्ति न्यायालय में निहित है?

(1) आदेश XIV नियम 1

(2) आदेश XIV नियम 5

(3) आदेश XIV नियम 6

(4) धारा 151

24. A Judge of a High Court may by writing under his hand, resign his office. To whom such resignation should be addressed?

(1) Chief Justice of the High Court.

(2) Chief Justice of India.

(3) Governor of the State.

(4) President of India.

उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है। ऐसा त्यागपत्र किसे संबोधित किया जायेगा?

(1) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को।

(2) भारत के मुख्य न्यायाधीश को।

(3) राज्य के राज्यपाल को।

(4) भारत के राष्ट्रपति को।

25. In case of repugnancy between the law made by the Parliament and the law made by the State Legislature, with respect to any matter enumerated in concurrent list;
   (1) by virtue of Article 246 of Constitution of India, law made by the Parliament shall prevail.
   (2) by virtue of Article 246 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.
   (3) by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by Parliament shall prevail.
   (4) by virtue of Article 254 of Constitution of India, law made by State Legislature shall prevail.

समवर्ती सूची में प्रगणित किसी विषय के संबंध में संसद द्वारा बनाई गई विधि तथा राज्य के विधान–मंडल द्वारा बनाई गई विधि में विरोध होने की दशा में;
   (1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
   (2) भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के आधार पर राज्य के विधान–मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
   (3) भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर संसद द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।
   (4) भारत के संविधान के अनुच्छेद 254 के आधार पर राज्य के विधान–मंडल द्वारा बनाई गई विधि अभिभावी होगी।

26. Which provision of the Constitution of India abolished 'Untouchability' and forbids its practise in any form?
   (1) Article 14
   (2) Article 15
   (3) Article 16
   (4) Article 17

भारत के संविधान का कौनसा प्रावधान 'अस्पृश्यता' का अन्त और उसके किसी भी रूप में आचरण को निषिद्ध करता है?
   (1) अनुच्छेद 14
   (2) अनुच्छेद 15
   (3) अनुच्छेद 16
   (4) अनुच्छेद 17

27. Complete the statement - A Court cannot issue commission;
   (1) to examine any person.
   (2) to make a partition.
   (3) to collect evidence.
   (4) to examine or adjust accounts.

कथन को पूर्ण करें – एक न्यायालय कमीशन जारी नहीं कर सकता है;
   (1) किसी व्यक्ति की परीक्षा के लिए।
   (2) बंटवारे के लिए।
   (3) साक्ष्य एकत्रित करने के लिए।
   (4) लेखाओं की परीक्षा या समायोजन के लिए।

28. Which of the provision of the Code of Civil Procedure, 1908 provides that the objection regarding territorial or pecuniary jurisdiction has to be raised at the first available opportunity?

(1) Section 10
(2) Section 11
(3) Section 20
(4) Section 21

व्यवहार प्रक्रिया संहिता, 1908 का कौनसा प्रावधान उपबंधित करता है कि स्थानीय अथवा धन संबंधित क्षेत्राधिकार के बारे में आपत्ति प्रथम उपलब्ध अवसर पर ही उठानी होगी?

(1) धारा 10
(2) धारा 11
(3) धारा 20
(4) धारा 21

29. The words "SOCIALIST SECULAR" were inserted in the Preamble of the Constitution by which constitutional amendment?

(1) Forty First amendment.
(2) Forty Second amendment.
(3) Forty Fourth amendment.
(4) Forty Sixth amendment.

किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की उद्देशिका में "समाजवादी पंथ निरपेक्ष" शब्दों को जोड़ा गया था?

(1) 41वें संशोधन द्वारा।
(2) 42वें संशोधन द्वारा।
(3) 44वें संशोधन द्वारा।
(4) 46वें संशोधन द्वारा।

30. Which provision of the Constitution confers upon a High Court the power to punish for contempt of itself?

(1) Article 215
(2) Article 217
(3) Article 225
(4) Article 226

संविधान का कौनसा प्रावधान उच्च न्यायालय को स्वयं की अवमानना के लिये दण्डित करने की शक्ति प्रदान करता है?

(1) अनुच्छेद 215
(2) अनुच्छेद 217
(3) अनुच्छेद 225
(4) अनुच्छेद 226

31. Which of the following facts are required to be proved?

(1) All laws in force in the territory of India.

(2) Public festivals and holidays notified in official Gazette.

(3) The Rules of the road.

(4) None of the above.

निम्न में से कौनसे तथ्यों को साबित किया जाना आवश्यक है?

(1) भारत के राज्यक्षेत्र में प्रवृत्त समस्त विधियां।

(2) शासकीय राजपत्र में अधिसूचित लोक उत्सव एवं अवकाश।

(3) भूमि पर मार्ग का नियम।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

32. The period of limitation for filing a suit to set aside transfer of property made by a guardian of a ward, by the ward's legal representative, when the ward dies before attaining majority, is;

(1) Three years from the date when the ward would have become major.

(2) Three years from the date when such fact comes to the notice of the legal representative.

(3) Three years from the date of death of the ward.

(4) Twelve years from the date of the transfer.

प्रतिपाल्य के विधिक प्रतिनिधि द्वारा, प्रतिपाल्य के संरक्षक द्वारा किये गये सम्पत्ति के अन्तरण को जबकि प्रतिपाल्य प्राप्तवय होने से पूर्व मर जाता है, अपास्त करने के लिये दावा करने की परिसीमन अवधि है;

(1) उस दिनांक से तीन वर्ष, जब प्रतिपाल्य प्राप्तवय हो गया होता।

(2) उक्त तथ्य के विधिक प्रतिनिधि की जानकारी में आने की दिनांक से तीन वर्ष।

(3) प्रतिपाल्य की मृत्यु की दिनांक से तीन वर्ष।

(4) अन्तरण की दिनांक से बारह वर्ष।

33. Under which provision of Code of Civil Procedure, restoration or setting aside of orders passed ex parte can be sought regarding an application filed under Order XXI of CPC which has been dismissed for non appearance or decided *ex parte*?

(1) Order IX Rule 13

(2) Order XXI Rule 58

(3) Order XXI Rule 106

(4) Order XXI Rule 100